Roll No. .... Total Pages : 7

2382-R

IInd Year Arts (Regular) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper–II

(गद्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

PART–A [Marks : 20]

(खण्ड-अ)

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B [Marks : 50]

(खण्ड-ब)

Answer *five* questions (250 words each). Select *one* question from each unit. All questions carry equal marks.

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C [Marks : 30]

(खण्ड-स)

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(इकाई–I)

(i) प्रताप नारायण मिश्र जी ने कौन-सा पत्र निकाला था?

(ii) बनारसी एक्का किसने अपने हाथों गढ़ा है?

(इकाई–II)

(iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी जी के **दो** निबंध-संग्रहों के नाम लिखिए।

(iv) दिनकर जी को साहित्य अकादमी पुरस्कार किस रचना पर मिला था?

(इकाई–III)

(v) ''बड़े आदमियों के पास धन है, चाहे फूँकें। हमारे पास फूँकने को क्या है?'' कथन किसने किससे कहा?

(vi) खुदाराम कहानी के लेखक का नाम बताइए।

(इकाई–IV)

(vii) पाज़ेब कहानी का मूल कथ्य क्या है?

(viii) 'गदल' कहानी के पात्र डोडी के चरित्र की **दो** विशेषताएँ बताइए।

(इकाई–V)

(ix) प्रेमचन्द जी रचित **चार** उपन्यासों के नाम लिखिए।

(x) द्विवेदी युग के **दो** निबंधकारों के नाम लिखिए।

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जो लोग संसार का सामना करके दूसरों के उद्धारार्थ अपना सर्वस्व नाश करने पर कटिबद्ध हो जाते हैं वे मरने के पीछे यश अवश्य पाते हैं, पर कब? जब उस काल के पंच उन्हें अपनाते हैं तभी! पर ऐसे लोग जीते जी आराम से छिन भर नहीं बैठने पाते क्योंकि पंच की इच्छा के विरुद्ध चलना परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध चलना है, और परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध चलना पाप है, जिसका दण्ड भोग किए बिना किसी का बचाव नहीं।

अथवा

3. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''बनारसी एक्केवान एक संस्था है। उसकी बातों में सरसों का तीखापन, शराब की कड़वाहट, मिरचे की तिताई और गरम

मसाले की गरमाहट का मजा पाया जाता है। एक बार जरा जोर से बात कीजिए, देखिए क्या आनंद आता है। लेखनी में वह दम कहाँ कि व्यक्त कर सके।'' एक लगावै, चार पावै - यह कहावत चाहे कहीं सच हो या न हो, यहाँ तो सोलहों आने सच उतरती है।

(इकाई–II)

4. ''विषमताग्रस्त समाज में समता की प्रतिष्ठा अपेक्षित है।'' 'कबीर साहब से भेंट' रचना के आधार पर कथन की व्याख्या कीजिए।

अथवा

5. 'सीमा रेखा' एकांकी का कथानक बताते हुए उसका उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–III)

6. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''मैं अपने अदृष्ट को अनिर्दिष्ट ही रहने दूँगी। वह जहाँ ले जाए। चंपा की आँखें निस्सीम प्रदेश में निरुद्देश्य थीं। किसी आकांक्षा

के लाल डोरे न थे। धवल अपांगों में बालक के सदृश्य विश्वास था। हत्या व्यवसायी दस्यु भी उसे देखकर कांप गया। उसके मन में एक संभ्रमपूर्ण श्रद्धा यौवन की पहली लहरों को जगाने लगी। समुद्र-वक्ष पर विलंबमयी राग रंजित संध्या थिरकने लगी।

अथवा

7. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

बालक अपने जूते सेठी के बढ़िया कोट पर रखे खड़ा था। मोटर के बर्फ के समान ठण्डे काँच पर हाथ रखकर, काँच पर अपना मुँह चिपका कर खुशी से किलकिला रहा था। उसके पैरों से रौंदे जाने में सेठी को सुख अनुभव हो रहा था। उसकी आँखें आर्द्र हो गई। उसके मुख का एक कोना भीतर को खिंच गया। वह एकटक दृष्टि से बालक की व्यस्तता को देखता रहा। पीठ-पीछे कानों के पास उसे एक उपस्थिति, एक व्यग्र वात्सल्य की उपस्थिति अनुभव हो रही थी जो वृक्ष की छाया के समान व्यापक और वृक्ष को जन्म देने वाले फूल के समान आकर्षक थी।

(इकाई–IV)

8. 'पाज़ेब' कहानी का उद्देश्य बताते हुए उसका कथानक समझाए।

अथवा

9. 'शरणदाता' कहानी की कहानी के तत्त्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

(इकाई–V)

10. हिन्दी नाटक के विकास को समझाइए।

अथवा

11. आलोचना विधा का परिचय देते हुए उसके विकास पर संक्षिप्त आलेख लिखिए।

खण्ड–स

(इकाई–I)

12. 'मेरी जन्मभूमि' में अभिव्यक्त हजारीप्रसाद द्विवेदी जी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–II)

13. 'कफन' कहानी का उद्देश्य बताते हुए घीसू का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(इकाई–III)

14. 'गदल' कहानी की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(इकाई–IV)

15. हिन्दी कहानी के विकास पर एक आलेख लिखिए।